









# गूंज के सफर में नया अध्याय जुड़ा: सुदेश महतो

रांची

जोन्हा ने क्षेत्रीय गूंज महोस्तव का हुआ आगाज, गांधीजी के बीच परिसंपत्तियों का विदेश

सिल्ली में 18 दिसंबर से शुरू होने वाले तीन दिवसीय गूंज महोस्तव से पूर्व क्षेत्रीय गूंज महोस्तव 2023 की शुरुआत बुधवार को जोन्हा के डुड़ा मैदान पर हुई। महोस्तव में कला संस्कृति के कार्यक्रमों के साथ स्पाइर कल्याण व गरीब उथान के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।



इस मौके पर सिल्ली विधायक सभा गूंज के संरक्षक सुदेश कुमार महतो ने कहा कि क्षेत्रीय महोस्तव का उद्देश्य लोगों के बीच जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर-घर पहुंचाने के साथ स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा को मंच देना और नए क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान करना है। गूंज के सफर में यह नया अध्याय इसके मक्सद को और व्यापक बनायेगा।

ग्राम प्रखण्ड की कला संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए इस महोस्तव में एक साथ एक हजार कलाकारों ने छक्क नृत्य की अद्भुत पेशेकश की। इसके अलावा कलाकारों ने कई तरह के संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रशंसन करने वाले सैकड़ों ग्राम प्रधान, संसेक्षिका, रसोइया, विद्यालय, पहान, सहिया, जल सहिया, किसान, महिला समिति, क्षेत्रीय कवि, लेखक और गायकों को सम्मानित कर उठने आगे भी वेहतर काम करने के लिए उनका

उत्साहवर्धन किया गया। ग्राम संस्कृतिक दरों के बीच वायद ऊंचा का भी वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। दिव्यांगजनों के लिए रेजिस्ट्रेशन के बाद प्रमाण पत्र दिए गए। उनके बीच विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। गूंज के बाद शुक्रवार को सोनाहात प्रखण्ड में क्षेत्रीय गूंज महोस्तव होता है।

ग्राम प्रखण्ड की आयोजना को गोलबंद करना ही संघर्ष करना ही बुधवार लक्ष्य है। हम सब को मिलकर अपनी विरासत को संवर्धित कर उसका संवर्धन और पदाधिकारी व केंद्रीय सदस्यों और सशक्त करना है। उठने के काहा कि इसके साथ ही विरासत को सुरक्षित करने और इसके सम्मान के लिए संघर्ष करने का हम संकल्प लेते हैं। जल्द ही केंद्रीय कर्मसूली की बैठक होगी, जिसमें सभी नए पदाधिकारी शपथ लेंगे और पार्टी के भावी कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

ग्राम प्रखण्ड की आयोजना को गोलबंद करना ही संघर्ष करना ही बुधवार लक्ष्य है। हम सब को मिलकर अपनी विरासत को संवर्धित कर उसका संवर्धन और पदाधिकारी व केंद्रीय सदस्यों और सशक्त करना है। उठने के काहा कि इसके साथ ही विरासत को सुरक्षित करने और इसके सम्मान के लिए संघर्ष करने का हम संकल्प लेते हैं। जल्द ही केंद्रीय कर्मसूली की बैठक होगी, जिसमें सभी नए पदाधिकारी शपथ लेंगे और पार्टी के भावी कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

## आयोजन

राहे प्रखण्ड अन्तर्गत डोमनडी ग्राम प्रखण्ड के बीच वायद ऊंचा का भी वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। दिव्यांगजनों के लिए रेजिस्ट्रेशन के बाद प्रमाण पत्र दिए गए। उनके बीच विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। गूंज के बाद शुक्रवार को सोनाहात प्रखण्ड में क्षेत्रीय गूंज महोस्तव होता है।

ग्राम प्रखण्ड की आयोजना को गोलबंद करना ही संघर्ष करना ही बुधवार लक्ष्य है। हम सब को मिलकर अपनी विरासत को संवर्धित कर उसका संवर्धन और पदाधिकारी व केंद्रीय सदस्यों और सशक्त करना है। उठने के काहा कि इसके साथ ही विरासत को सुरक्षित करने और इसके सम्मान के लिए संघर्ष करने का हम संकल्प लेते हैं। जल्द ही केंद्रीय कर्मसूली की बैठक होगी, जिसमें सभी नए पदाधिकारी शपथ लेंगे और पार्टी के भावी कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

**नवसंकल्पों के तहत आजसू के केंद्रीय पदाधिकारियों की घोषणा हुई: डॉ देवशरण भगत**

रांची, 1 ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू पार्टी) के केंद्रीय मुख्य प्रक्रिया डॉ देवशरण भगत ने कहा कि रांची के मेराहाबदी मैदान पर 29 व 30 दिसंबर एवं 1 अक्टूबर को आयोजित हुए केंद्रीय महाविद्येश में राज्य के नवनिर्माण के लिए गए नवसंकल्पों के तहत केंद्रीय पदाधिकारियों की घोषणा हुई है।



यहा है। राज्य की आम जनता को गोलबंद करना ही संघर्ष करना ही बुधवार लक्ष्य है। हम सब को मिलकर अपनी विरासत को संवर्धित कर उसका संवर्धन और पदाधिकारी व केंद्रीय सदस्यों और सशक्त करना है। उठने के काहा कि इसके साथ ही विरासत को सुरक्षित करने और इसके सम्मान के लिए संघर्ष करने का हम संकल्प लेते हैं। जल्द ही केंद्रीय कर्मसूली की बैठक होगी, जिसमें सभी नए पदाधिकारी शपथ लेंगे और पार्टी के भावी कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

ग्राम प्रखण्ड की आयोजना को गोलबंद करना ही संघर्ष करना ही बुधवार लक्ष्य है। हम सब को मिलकर अपनी विरासत को संवर्धित कर उसका संवर्धन और पदाधिकारी व केंद्रीय सदस्यों और सशक्त करना है। उठने के काहा कि इसके साथ ही विरासत को सुरक्षित करने और इसके सम्मान के लिए संघर्ष करने का हम संकल्प लेते हैं। जल्द ही केंद्रीय कर्मसूली की बैठक होगी, जिसमें सभी नए पदाधिकारी शपथ लेंगे और पार्टी के भावी कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

## झारखण्ड हाई कोर्ट से पूर्व मंत्री रमेश सिंह सिंह निर्वाचित करने का निर्देश

रांची। झारखण्ड हाई कोर्ट से पूर्व

मंत्री रमेश सिंह मुड़ा हत्याकांड में मुख्य सजिलकारी गोपाल सिंह पातर उर्फ राजा पीटर को बुधवार को जमानत मिल गई। न्यायाधीश एस चंद्रशेखर को अध्यक्षता लाली खंडपोते ने कुछ शर्तों के साथ जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के जामानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के जामानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

इसमें पहले झारखण्ड हाई कोर्ट से दो बार राजा पीटर को जमानत के आदेश दिए।

## संक्षिप्त समाचार

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर आयोजित, ऑन द स्टॉट हो रहा समस्याओं का समाधान

**कोडरमा** | आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आज कोडरमा जिला के सतगांव प्रखण्ड के मर्होई, जयनगर प्रखण्ड के तिलोकरी और मरकचो प्रखण्ड के पालों पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। उत्तर शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, शिविर में स्थानीय विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, समाजिक सुरक्षा विभाग, समाज लक्षण विभाग, अपूर्वी विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पेंजल एवं स्वच्छता विभाग, श्रम विभाग समेत अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। जहाँ काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शिविर में पूँचकर विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हुए आवेदन समर्पित किए। वहाँ शिविरों में संबंधित प्रखण्ड विकास परिवर्कारियों ने अंचल अधिकारियों द्वारा लाभुकों के बीच कंबल का वितरण, राशन/पेंजल स्तरीयीत प्रति वितरण, ऋण समेत अन्य योजनाओं का साथ दिया गया। जेसे-एस के समूह के बीच ऋण वितरण भी किया गया। साथ ही बच्चियों को साविनी और फुले किशोरी समूदियोजना और साईकिल वितरण योजना का लाभ दिया गया। कार्यक्रम में सभी विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई और आवेदन प्राप्त किये गये।

» यहा आयोजित होने वाले शिविर

दिनांक 14.12.2023 को डोमचांच प्रखण्ड के खरखारा, कोडरमा प्रखण्ड के खरखोटा और चंद्रवारा प्रखण्ड के भोंडों पंचायत में शिविर का आयोजन होगा।

## गोमिया ने प्रखण्ड स्तरीय नुस्ख्यनंत्री आनंद्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

**गोमिया** | गोमिया के आइएल ग्राउंड में बुधवार से दो दिन विशेषीय प्रखण्ड स्तरीय सुख्ख्यनंत्री आनंद्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच सप्तवेदा पूर्वी पंचायत एवं स्वांग उत्तरी पंचायत की टीम के साथ खेला गया। जिसमें संघर्षपूर्ण मुकाबले में स्वांग उत्तरी पंचायत की टीम एक गोल से विजेता रही। इस टूर्नामेंट में प्रखण्ड के 15 पंचायतों की टीम हिस्सा ले रही हैं, जिसका फाइनल मैच गुरुवार को खेला जाएगा। मौके पर सुख्ख्यनंत्री विकास अंसारी, रविशंकर टुड़ा, पिंटू पासवान, पवन कुमार, विरेंद्र भाई पटेल, वृहपति महतो, मनोज कुमार, संतोष वादव, बिनोद तिवारी, रश्विक कुमार, विशाल कुमार, सुबोध कुमार आदि उपस्थित थे।

## रथोदा देवी बनी आजसू की केन्द्रीय महालालीचिव

**दुमरी** | आजसू की केन्द्रीय सचिव सह दुमरी विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी को आजसू पार्टी के केन्द्रीय महालालीचिव नामे जाने पर पार्टी के स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। साथ ही आशा व्यक्त की है कि इससे पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के साथ साथ आजसू पार्टी की महालाली और बढ़ेगी। वहाँ योजना देवी ने कहा है कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका वे पूरी निश्चय से निवेदन करेंगे। जिसमें संघर्षपूर्ण मुकाबले में स्वांग उत्तरी पंचायत की टीम एक गोल से विजेता रही। इस टूर्नामेंट में प्रखण्ड के 15 पंचायतों की टीम हिस्सा ले रही हैं, जिसका फाइनल मैच गुरुवार को खेला जाएगा। मौके पर सुख्ख्यनंत्री विकास अंसारी, रविशंकर टुड़ा, पिंटू पासवान, पवन कुमार, विरेंद्र भाई पटेल, वृहपति महतो, मनोज कुमार, संतोष वादव, बिनोद तिवारी, रश्विक कुमार, विशाल कुमार, सुबोध कुमार आदि उपस्थित थे।

## सहायक निदेशक ने असहायों के बीच किया कंबल वितरण

**देवघर** | आहिस्ते-आहिस्ते मौसम अपने परवान पर है और ठंड भी काफी बढ़ रही है। लगातार लोगों को इस ठिरुरन भरी ठंड से बचने के लिए धूप और गर्म कपड़ों का सहाया लेना पड़ रहा है। ऐसे में विभिन्न संस्थाओं के द्वारा कंबल वितरण का कार्यक्रम भी शुरू हो चुका है। ये सेवा तो संस्था के द्वारा कंबल वितरण का कार्यक्रम भी शुरू हो चुका है, जिसके बाद वहाँ योजना देवी को करते रहे देखा जा सकता है। किन्तु कोई व्यक्ति ये विभागीय अधिकारी के द्वारा इस और गंभीराता से सज्जन लेते हुए कंबल वितरण का कार्य करना वास्तव में उनके सेवा भाव को प्रदर्शित करत है। इसी क्रम में देवघर के सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा विभाग के श्रीमती सरिता भारती के द्वारा नियम क्षेत्र के सिवाय, राजन नगर, बर्मसिया आदि जगहों पर असहायों और ज़रूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इसे दैरा भाई पर तृप्त अल्पमंदक फैलायी अध्यक्ष नजरबाह द्वारा गहरी झूले दिल से विवरण निवेदक निदेशक श्रीमती सरिता भारती के धृत्यावाद कहत दिखे। मैंने पर इस दौरान श्रीमती भारती के साथ सामाजिक सुरक्षा कार्यालय के कर्मी श्री जितेंद्र सिंह, श्री भोला प्र० यादव सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

## सहायक निदेशक ने असहायों के बीच किया कंबल वितरण

देवघर। आहिस्ते-आहिस्ते मौसम अपने परवान पर है और ठंड भी

## विशेष

# तालाब पर तैरता गार्डवाल की तस्वीर को देख डीडीसी साहब की उड़ गए होश? केंद्र सरकार विकसित भारत संकल्प यात्रा पर फिरा पानी

जहाँ से यह तस्वीर साजने आई है उस पंचायत में चल रही है सोशल ऑफिट टीम की जाँच? ले किन टीम को नहीं दिखा तालाब पर तैरता हुआ गार्डवाल

झारखण्ड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। एक तरफ पूरे भारत में केंद्र सरकार भारत देश को विकसित बनाने की उद्देश्य से पूरे भारत में विकसित भारत संकल्प यात्रा चला रहा है, ताकि हमारा देश भारत देश को विकसित हो सके, सा शी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भाज पा का कार्यक्रमों के द्वारा प्रदेश के सभी जिले में कार्यक्रम कर लोगों को बीच कंबल का वितरण, राशन/पेंजल स्तरीयीत प्रति वितरण, ऋण समेत अन्य योजनाओं का साथ दिया गया। जेहाँ काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शिविर में पूँचकर विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हुए आवेदन समर्पित किए। वहाँ शिविरों में संबंधित प्रखण्ड विकास परिवर्कारियों ने अंचल अधिकारियों द्वारा लाभुकों के बीच कंबल का वितरण, राशन/पेंजल स्तरीयीत प्रति वितरण, ऋण समेत अन्य योजनाओं का साथ दिया गया। योजनाओं के समूह के बीच ऋण वितरण भी किया गया। साथ ही बच्चियों को साविनी और फुले किशोरी समूदियोजना और साईकिल वितरण योजना का लाभ दिया गया। कार्यक्रम में सभी विभागों द्वारा विभागीय ग्रामीण शिविर में पूँचकर विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।



मनरेगा योजना के तहत एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है।

आगे आपको बता दें कि तालाब किनारे गार्डवाल का निर्माण कार्य कराया गया था, जिसकी लापता करीब चार लाख रुपया जा रहा है। और उनके बाद वहाँ एक गार्ड वाल का निर्म

## बच सकती है जिंदगी



भारत में कार्डियो वैस्कलर डिजीज (Cardiovascular Disease - CVD) से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट भी इसकी पुष्टि करती है।

कार्डियो वैस्कलर डिजीज (CVD) वाहन दिल की बीमारियों से जुड़ी मौतें एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। WHO के मूलाधिक दुनिया भर में इनसे होने वाली मौतों का कम से कम पांचवां हिस्सा भारत में होता है। कई हालिया स्टडीज और अंकड़े हैं, जो हालात की ज्यादा सही तरीया पेश करते हैं।

» मरने वाले बढ़े

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी की ताजा रिपोर्ट बताती है कि भारत में CVD से होने वाली मौतों की दर प्रति एक लाख लोगों पर 272 है। ध्यान रहे, इन मौतों का वैश्विक औसत मात्रा 235 है। पिछले सप्ताह जारी हुए नैशनल क्राइम रेंटेंड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े भी इस रिपोर्ट के मूलाधिक 2021 में देश में ऐसी मौतों की संख्या 28,413 था, जो 2022 में बढ़कर 32,457 हो गई। यही नहीं, अचानक होने वाली मौतों की संख्या दर्शक तो उसमें भी बारी बढ़ती रही हुई है। 2021 में यह 50,734 थी, जो 2022 में 56,450 हो गई।

» टल सकती है ये मौतें

अच्छी बात यह है कि थोड़ी कोशिशों से इनमें से ज्यादातर मौतें टाली जा सकती हैं। अगर सही साधा पर मरीज को कार्डियो पल्मरी रिसिप्टेशन (CPR) जैसी मैडिकल सहायता उपलब्ध हो जाए तो उसकी जान बच सकती है। CPR जान बचाने वाली ऐसी तकनीक है, जो किसी व्यक्ति पर तब लाई जाती है जब उसकी सांस या दिल की धड़कन बंद हो जाए। यह प्रक्रिया असान है और असापास मौजूद कोई भी ट्रैटिंग व्यक्ति मरीज को यह इलाज दे सकता है।

» ट्रैट लोगों की कमी

CPR के लिए न तो किसी उपकरण की जरूरत होती है और न ही कहीं भर्ती वौरह करने की। बावजूद इसके भारत में इसके लिए बहुत कम लोगों को ट्रेनिंग मिली हुई है। यही वजह है कि नव भारत टाइम्स में भी इस रिपोर्ट के मूलाधिक 2021 में देश में ऐसी मौतों की संख्या 28,413 था, जो 2022 में बढ़कर 32,457 हो गई। यही नहीं, अचानक होने वाली मौतों की संख्या दर्शक तो उसमें भी बारी बढ़ती रही हुई है। 2021 में यह 50,734 थी, जो 2022 में 56,450 हो गई।

» AED की भी जरूरत

हालात की गंभीरता को देखते हुए मौजूदा प्रवास नाकामी हैं। जैसा कि हाल की एक लासेट कमिशन स्टडी बताती है- भारत में CPR के साथ ही अटीमेटेड एस्परल डॉक्युमेंटेशन (AEDs) की भी जरूरत है। AED एक ऐसा पोर्टेबल डिवाइस है, जो सांसों के असामान्य होने पर दिल को इलेक्ट्रिक शॉक देकर उसे सामान्य करता है। ये डिवाइस सार्वजनिक स्थानों पर लगाकर और लोगों को इसके इस्तेमाल की बुनियादी ट्रेनिंग देकर हालात को कमी बढ़ावा दिया जा सकता है। जानकारी के मूलाधिक CPR और AED को सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं तो मार्गियों की जान बचने की संभावना देखना और तीन गुना तक बढ़ सकती है।

## मार्ग-दर्शन

## काका कालेलकर की अनुदी पैथी

काका साहब कालेलकर उच्च कोटि के चिंतक, लेखक व शिक्षाविद होने के साथ ही गांधी विचार के प्रमुख व्याख्याता थे। उनकी सोच प्रत्येक विषय पर बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अस्वस्था एवं यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अस्वस्था के विषय में खबर लाते ही बड़ी संख्या में उनके मित्र या शुभचिंतक उनसे मिलने आए। काका सभी से बड़ी आत्मीयता से भैंट करते थे। एक बाका का अस्वस्था हो गए। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अस्वस्था के विषय में खबर लाते ही बड़ी संख्या में उनके मित्र या शुभचिंतक उनसे मिलने आए। काका कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरोंगे ने I.N.D.I.A. गठबंधन को याद किया। जल्द ही यह घोषणा भी कर दी गई कि गठबंधन की अगली बैठक दिल्ली में 6 दिसंबर को होगी। हालांकि घटक दलों की बेरखी को देखते हुए इसे संसदीय दलों के नेतृत्वों की बैठक का रूप देना पड़ा। पार्टी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी ने कांग्रेस पर धमकी देकर दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले सालों में थोस शक्ति वालों ने देकर दिया है। यह बहुत स्वाभाविक ही था कि उनकी अप्रूवों की बैठक के दिल्ली विचार के साथ नरमी से पेश आये का तरीका अस्तित्व में नहीं हो गया। मोदी के सत्ता में आगे के बावर के बलाकारों का मतलब विषय का व्यापक रूप से दर्शकों को दिखा रहे हैं जो पिछले स

